सांवरे तुझे झुलाएं प्रेम से डोर हिलाएं लिरिक्स

मन के झूले में बिठाकर,
बांधी भाव की डोर,
सांवरे तुझे झुलाएं,
प्रेम से डोर हिलाएं।bd।

तर्ज – स्वर्ग से सुंदर सपनो से।

हमने बनाया अपने,
ह्रदय को आसन,
आन बिराजो बाबा,
इतना निवेदन,
मन बगिया को आज खिला दो,
आ जाओ चितचोर,
साँवरे तुझे झुलाएं,
प्रेम से डोर हिलाएं।bd।

झूला झूलाना तो है,
बस एक बहाना,
मकसद हमारा मन के,
भाव दिखाना,
भाव बिना काहे का झूला,
कैसी रेशम डोर,
साँवरे तुझे झुलाएं,
प्रेम से डोर हिलाएं।bd।

जिसने बनाया अपने,
मन को हिंडोला,
उसमें ही झूले मेरा,
सांवरा सलोना,
'हर्ष' कहे फिर छमछम नाचे,
उसके मन का मोर,
साँवरे तुझे झुलाएं,
प्रेम से डोर हिलाएं।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

बांधी भाव की डोर,
सांवरे तुझे झुलाएं,
प्रेम से डोर हिलाएं।bd।

Singer – Varsha Garg

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com